विचारों के लिए, अपने व्यक्तिगत आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाली राजकीय महत्वाकांक्षाओं से समाज का दृश्य बदलते हुए और विश्व के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना इन बातों का बार-बार स्मरण करना पड़ता है। आपके लिए मैंने कोई नई बात नहीं कही। इस 14 अगस्त के दिन स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हमने इसको स्मरण करने का अवसर हम सबको मिला। स्मरण के साथ-साथ इस पीढ़ी के और सभी के अन्त:करण में एक संकल्प लेकर दृढता के साथ इस मार्ग पर चलने का भाव सशक्त करना चाहिए। यही आज के स्मरण का उद्देश्य है। इसलिए मैंने आपके सामने बातें रखीं।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

❑